

## अध्याय - 2 | मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई, पग घुँघरू बाधि मीरां नाची

## QUIZ-01

1. मीराबाई ने अपना पति किसे स्वीकार किया है?
- A. राम  
B. कृष्ण  
C. विष्णु  
D. शिव (B)

**व्याख्या:** मीराबाई ने श्रीकृष्ण को अपना पति माना और उसी समर्पण भाव से उनकी भक्ति की।

2. मीरा के गुरु कौन माने जाते हैं?
- A. बल्लभाचार्य  
B. कवि तुलसी  
C. कवि रैदास  
D. संत कबीर (C)

**व्याख्या:** मीरा के गुरु के रूप में संत रैदास का उल्लेख प्रमुख रूप से मिलता है।

3. "विष का प्याला राणा भेज्या, पीवत मीरा हाँसी" में कौन-सा अलंकार है?
- A. रूपक  
B. दृष्टांत  
C. विरोधाभास  
D. अंत्यानुप्रास (C)

**व्याख्या:** विषपान करते हुए मीरा का हँसना एक विरोधाभास का उदाहरण है।

4. मीरा कृष्ण की उपासना किस रूप में करती हैं?
- A. राधिका के रूप में  
B. अधर्मी के रूप में  
C. समर्पिता पत्नी के रूप में  
D. इनमें कोई नहीं (C)

**व्याख्या:** मीरा ने कृष्ण को पति रूप में माना और स्वयं को समर्पिता पत्नी के रूप में प्रस्तुत किया।

5. 'तारो अब मोहि' में 'तारो' शब्द का अर्थ है -
- A. तारे  
B. उद्धार करना  
C. तैरना  
D. इनमें कोई नहीं (B)

**व्याख्या:** 'तारो' का अर्थ यहाँ उद्धार करना या मुक्ति देना है।

6. जीवन के अंतिम दिनों में मीरा कहाँ चली गईं?
- A. वृन्दावन  
B. द्वारिका  
C. मेड़ता  
D. मथुरा (B)

**व्याख्या:** अपने जीवन के अंतिम समय में मीरा द्वारका चली गईं और वहीं श्रीकृष्ण में लीन हो गईं।

7. मीरा के पद 1 में 'प्रेम-बेलि' में कौन-सा अलंकार है?
- A. छेकानुप्रास  
B. उत्प्रेक्षा  
C. उपमा  
D. रूपक (D)

**व्याख्या:** 'प्रेम-बेलि' में प्रेम को बेल के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो रूपक अलंकार है।

8. मीरा कृष्ण को क्या मानती थीं?
- A. अपना आराध्य  
B. अपना पति  
C. (1) और (2) दोनों  
D. इनमें कोई नहीं (C)

**व्याख्या:** मीरा ने कृष्ण को अपना आराध्य और पति दोनों माना।

9. मीरा की कविता में किसकी गंभीर अभिव्यंजना है?
- A. पीड़ा की  
B. प्रेम की  
C. करुणा की  
D. भाव की (B)

**व्याख्या:** मीरा की रचनाएँ ईश्वर प्रेम से ओतप्रोत हैं, जिनमें प्रेम की तीव्रता झलकती है।

10. मीरा के पद किसके द्वारा संकलित-संपादित हैं?
- A. सुमित्रानंदन पंत  
B. नरोत्तम दास स्वामी  
C. केदारनाथ सिंह  
D. जयदेव सिंह (D)

**व्याख्या:** मीरा के पदों का संकलन व संपादन जयदेव सिंह द्वारा किया गया है।